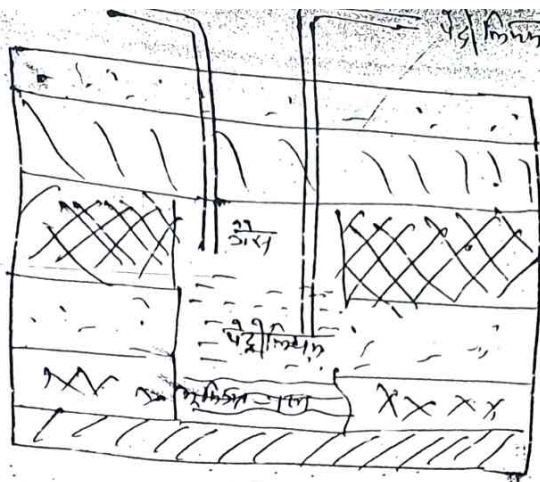


## खनिज तेल संसाधन

- खनिज तेल एक महत्वपूर्ण ऊर्जा स्रोत है। इसे प्रायः पेट्रोलियम या कुठ आँसु कहा जाता है।
- पेट्रोलियम के अंगुन से ही पेट्रोल, डीजल, क्वेरोसिन, गिलीसरीन, मोम, वैंडीन, नेफ्था, कोलतार और कई प्रकार के ल्यूब्रिकेंट्स तैयार किये जाते हैं।
- पेट्रोलियम लैटिन भाषा के दो शब्द पेट्रो - पथक, ओलियम - तेल इस प्रकार पेट्रोलियम का तात्पर्य - पथकों से मिलने वाला तेल है।
- पेट्रोलियम पृथ्वी के अंदर अलग-अलग स्थानों के तलब मिलते हैं। इसे जीवाश्म ऊर्जा भी कहा जाता है।
- इसका निर्माण वास्तव में और यूनाइटेड किंगडम जीव-जंतुओं के शक्ति के अंदर कब जाते हैं - इस पर अद्यतन तक ताप व दाब के प्रकार के कारण
- जिस स्थान पर पेट्रोलियम पाया जाता है सोमालिया, इरान, अरब पर भाषितिक



— जोस के एक अनुमान के अनुसार 620 करोड़ मिट्टिक एक खनिज तेल भंडार है  
संचित भंडार के क्षेत्र

1. 3-500 भारत — असम, मैदालय
2. 6000 गुजरात — कंकलेश्वर कुंपास, कलौल, महिजाना, कोखामवा जिन्ना
3. महासागरीय क्षेत्र — काँचै डाँडे, नार्के बोधि — उन्नाल दूर अख लाने में स्थित
4. अन्य क्षेत्र — ONOC, रिनायंस, ईमरस — खोज-महलकी क्षेत्र  
 उन्ना उन्ना क्षेत्र, गुजरात के धरकोक क्षेत्र, राजस्थान के वाडेर क्षेत्र  
 कलौल, गौदापरी, कावेरी इत्यादि क्षेत्र

खनिज तेल के वितरण एवं उत्पादक क्षेत्र

1. 3-500 भारत — संचित भंडार — 1300 km<sup>2</sup> क्षेत्र में असम & मैदालय  
 - सर्वप्रथम बार उत्पादन

- (i) डिजाबोर्ड — उत्पादन 1863 ई० में शुरू.  
 - यहाँ क्रिय का दूसरा सबसे बड़ा तेल कुआँ स्थित है।  
 - डिजाबोर्ड के अलावे पानोटीसा, ईसापुंठा, वासापुंठा के उत्पादन

(ii) सुसाधार क्षेत्र — असम में अवस्थित  
 - बरपुर, नुनमाटी, मसीमपुर

(iii) नहरकटिया क्षेत्र — डिजाबोर्ड से 40 km दूर डिजांगनदी के तट पर अवस्थित  
 - यहाँ क्रिय का दूसरा सबसे बड़ा संचित भंडार क्षेत्र है।  
 - यहाँ से तेल के साथ-साथ गैस भी निकाला जाता है।  
 - यहाँ से निकाला गया तेल वरीनी व सुनगापी तेल शोधशाला

(iv) मुंठा — जानमीरांग क्षेत्र  
 - मैदालय राज्य में अवस्थित  
 - ब्रह्मपुंठा, ईसापुंठा, सुमरीरांग से

(v) लक्ष्मी क्षेत्र - कसम + मेधालय दोनों राज्य में फाँटा  
केन्द्र - लक्ष्मी

गुजरात क्षेत्र

भारत का 20% तैल का उत्पादन

i) अंधलेश्वर क्षेत्र - लक्ष्मी जिला में नर्मदा नदी के मुहाने पर (अमलिया)  
- तैल + प्राकृतिक गैस -> उत्पादन

ii) कलोल क्षेत्र - अहमदाबाद के पास स्थित  
- खानाब, नवगोंय - उत्पादन केन्द्र

iii) खंभात क्षेत्र - खंभात की खाड़ी में नर्मदा के मुहाने के पास  
खलियाबेट & अलियाबेट द्वीप - अंधार  
- अलियाबेट से उत्पादन किया जा रहा है।  
खरबेलि, अठन, अरबोल - केन्द्र

मध्य क्षेत्र

- महाराष्ट्र के प. में अरब सागर के अफरीय क्षेत्र में स्थित है।

- भारत का 60% खनिज तैल का उत्पादन

- बॉम्बे शैंड और बॉम्बे बेसिन - दो प्रमुख केन्द्र हैं।

- बॉम्बे बेसिन - खनिज तैल  
बॉम्बे शैंड - प्राकृतिक गैस ] का उत्पादन

- यहाँ तैल एवं प्राकृतिक गैस के उत्खनन में सागर समुद्र और  
सागर चला बल्लक से ही जलपोत लगे हुए हैं।

- यहाँ से पहलपलाइन लाइन द्वारा मुम्बई गेट पर -> यहाँ से HPJ पहलपलाइन  
द्वारा देश के विभिन्न भागों में

- बॉम्बे शैंड से उत्पादन कार्य 1979 में शुरू  
बॉम्बे बेसिन - 1986 -

पश्चिम क्षेत्र

- तमिलनाडु में नागापट्टनम में तैल का उत्पादन

- कृष्णा & गोदावरी मुहाने पर रवा तैल क्षेत्र - नीलम, पन्ना, मुक्ता - केन्द्र से  
तैल उत्पादन के अंश मात्र मिली है।

- AP के कावेरी, कावेरी इत्यादि पर स्थित - परीशुलम - नागपुर - कावेरी

- से प्राथमिक तौर पर उत्पादन शुरू किया गया था लेकिन तैल कुम्भ  
में अछा लगने के कारण फिलहाल बंद किया गया है।

- WB के सुंदरबन इलाके, उत्तरपूर्व में चंदोली, तिलपुर से

UT - नागावाम, देहरादून से, बिहार के रक्सौल से, RS - असम के  
पंजाब से है। बिहार पर, लखीमपुर।

उप्यादन

1951 - 6.15 मिलियन टन

2001 - 34 "

संग्रहण

1. आर्सेनाइड
2. गफसलवाह
3. गहिरा कुआँ
4. उच्च तकनीक का अभाव
5. सूजी
6. पर्यवेक्षण कक्षा का अभाव

खनिज तेल का उपयोग

पेट्रोल, डीजल - मोटर वाहन, शक्तिमहाज, रॉकेट, रेल, जलयान,

1. ईंधन - मोटर वाहन, शक्तिमहाज, रॉकेट, रेल, जलयान
2. प्रतिस्पर्धात्मकता - 20, 100 टन - कौलमार - सड़क निर्माण, तेल शोधन कारखानों के निर्माण की लागत घटाना
3. परिवहन साधन - प्रयोग - उर्वरक उद्योग, कृषि मशिन उद्योग
4. रेल कारखाना - अंगीकृत - सुशोधित पर्याप्त के निर्माण
5. विद्युत उद्योग - डिफिन्सिंग - कासमेटिक पर्याप्त बनाने में
6. कृषि कार्य में - मोटर - लुब्रिकेंट्स - चिक्नाइट बनाने में
7. विस्फोटक निर्माण में

संग्रहण हेतु उपाय

1. विदेशी कंपनियों को आमंत्रित कर या नई तकनीक विकसित कर संग्रहण कार्य प्रारंभ
2. पेट्रोलियम कंपनियों का विकास - तेल उद्योग राठौरों से सिमकोरा
3. वैकल्पिक स्रोतों की खोज
4. मोटा उद्योग के शीघ्र संतुलन
5. अप्रारम्भिक अर्जा तथा नानितीय अर्जा के विकास पर जोर
6. लोगों को प्राकृतिक जीवन जीने को प्रेरित
7. वायुमंडल के विकास पर जोर
8. प्राणीय क्षेत्रों में वायुमंडल कोट की स्थापना

X

# प्राकृतिक गैस

- प्राकृतिक गैस का संचित भंडार अभी दुनिया में मिलता है, जहाँ पेट्रोलियम पाया जाता है
- ONGL के अनुसार संचित भंडार 5.4 लाख बिलियन घन मी.
- उत्पादन 1971 - 11450 लाख घन मी.
- 1993-96 - 2230 करोड़ घन मी.
- भारत में तेल खनन करने के पूर्व प्राकृतिक गैस की वायुमंडल में शुद्ध कर दिया जाता था
- उपयोग - ईंधन के रूप में, उर्वरक निर्माण, गृहीय विद्युत उत्पादन.

## वितरण

1. कोम्बे बेसिन - सर्वाधिक संचित भंडार कोम्बे बेसिन में है
  - यहाँ के कुल संचित भंडार का 30-35% उपलब्ध है
  - यहाँ का गैस स्टोर्ड गैस के लिए उपयुक्त है
2. कोम्बे हाई - कोम्बे हाई से खेतारतीराड़ी तक विशाल संचित भंडार है
  - इस क्षेत्र के गैस को HPJ पाइप लाइन के द्वारा देश के अन्य भागों में भेजा जाता है
  - इस क्षेत्र से भारत की 50% गैस की आपूर्ति की जाती है
3. अंकलेश्वर क्षेत्र - गैस, समुद्र क्षेत्र
  - देश का 15% प्राकृतिक गैस का उत्पादन
4. उ-पू-भारत - असम & मैसालय
  - भारत का 15% आपूर्ति
5. अन्य नवीन क्षेत्र -
  - (i) पंजाब प्रेसुरा - अजमेर (राजस्थान) में स्थित उर्वरक एवं ताप विद्युत संयंत्र में उपयोग
  - (ii) दंडान - कावेरी नदी के उल्हापर स्थित पेलकुलम से LPG पाइप - मद्रास औद्योगिक क्षेत्र में किया जाता है
  - (iii) कुवणा - ओझारी बेसिन - में स्थित कावेरी, विमाचल प्रदेश में जगलामुली/दुर्ग, अंग नदी के उल्हाई क्षेत्र, राजस्थान के जैसलमेर & वाडोदर क्षेत्र.
  - गैस के अनुसार उत्पादन नहीं - आयात से पूर्ण
  - भारत - ओमान, अरब-इराक, भारत - कंबोडिया के बीच पाइपलाइन विद्युत की योजना है

## महत्व

1. प्राकृतिक गैस के उपयोग में लगातार विविधता आ रही है जैसे - रासायनिक उद्योग, उर्वरक उद्योग की स्थापना की जा रही है
2. 1973 में OJAIL की स्थापना की गई जो HBJ पाइपलाइन पर चार गैस आधारित विद्युत संयंत्र - कवास (गुजरात), भैंता (RJ), भोरेवा UP, हासी UP
3. केरल के कश्कटियाडॉम, गुजरात के धुवरम, उत्तरा - विद्युत संयंत्र
4. ल्यासे जा रहे हैं
5. HBJ पाइप लाइन पर उर्वरक संयंत्र - विजयपुर, जगदीशपुर, शाहजपुर